

**SANS2112LT**  
**B.A., Semester Second,**  
**Examination, 2021-2022**  
**SANSKRIT LITERATURE**  
**PAPER - Second**

[Time : 2 Hrs.]

[ Maximum Marks : 55]

**निर्देश :** प्रश्न पत्र खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में विभक्त है। परीक्षार्थीयों में अपेक्षा है कि निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें। अन्यथा निर्देश न होने की स्थिति में परीक्षार्थी अपने उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में दे सकते हैं।

**खण्ड - अ**

- 1 अधोलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों की व्याख्या कीजिए-  
 10+10=20 अंक
- (क) यस्याज्वानुपजात-तिमिरत्वादविघटित-चक्रवाक-मिथुना  
 व्यर्थोक्तसुरतप्रदोपरः सज्जातमदनानल-दिग्दाहा इव  
 यान्ति कामिनीना भूषणप्रभाभिर्बालातरापिञ्जरा इव  
 रजन्यः। याज्य सन्निहित-विषमलाचनामनवरत-मतिमधुरा  
 रतिप्रलाप इव प्रसर्पन् मुखरीकरोति मकर-केतु दाहहेतुभूता  
 भवनकलासकूलकोलाहलः। यस्याज्व निशि निशि  
 पवनाचलान्तेर्दुकूलपल्लवरुल्लसद्भिर्गालवी-मुखकमलकान्ति  
 लज्जितमृगन्दोः कलङ्कमिवापनयन्ता दुग्धमारित भोजभृताः  
 प्रसादा लक्षयन्ते।

(ख) यस्य वामुतामोद-सुरभिर्पामिलया मन्दरोद्धत-बहुल दुग्ध  
 सिन्धुर्ध्वेन लेख्येव धवलीकृतमृगसुरलोकाया दशमु दिक्षु  
 मुखरितभुवनमधम्यत कीर्त्ता। यस्य चातिदुःसहप्रताप  
 मन्ताप्राख्यमानेव क्षणमपि न मुमांघातपत्रच्छायां राजलक्ष्मीः।  
 तथा च यस्य दिष्टिवृद्धिमिव शूश्राव उपदेशमिव जग्राह,  
 मङ्गल मिव बहु मेने, मन्त्रमिव जज्ञाप, आगममिव न विमग्धा  
 चरित जनः।

(ग) भगवान्! श्रूयताम् यदि कुतूहलम्। ह्यः सम्पादितसायन्तकृत्ये,  
 अत्रैव कुशास्तरणमभिहित्यते मयि परितः ममासीनेषु छात्रवर्गेषु  
 भीरसभीरस्पर्शेन मन्दमन्दमान्दोत्पमानासु व्रततिषु, समुदिते  
 यामिनो-कामिनी चन्दनबिन्दी इव इन्द्री, कौमुदीकपटेन  
 सुधाधारामिव वर्षति गगने, अम्मनीतिवार्ता-शुश्रूसु इव  
 मौनमाकलयत्सु पतंगकुलेषु, कैरवविकास हर्षप्रकाशमुखर्यु  
 चञ्चलकेषु, अम्पटाभ्रम्, कम्पमान निःश्वामम्,  
 श्लथकण्ठम् धर्धरितम्बनम्, चीत्कारमात्रम्, दीनतामयम्,  
 अत्यवधानश्रव्यत्वादानुमितदर्शितम् क्रन्दन मश्रौषम्।

(घ) अथ स मुनिः "भगवन् धैर्येण, प्रसादेन, प्रतापेन, तेजसा,  
 वीर्येण, विक्रमेण, शान्त्या, श्रिया, मौख्येन, धर्मेण, विद्यया  
 च सममेव परलोकस्नायितवान् तत्र भवति विक्रमादित्ये शनैः  
 शनैः पारम्यार्कविरोध-विशिष्टा लोकात्म्यहवन्धनेषु राजसु,  
 भाषिनिधुभङ्ग-भूरिभाव प्रभाव-पराभूत-वैभवेषु भगवन्, म्नाथ  
 चिन्तामन्तान्निवर्तकतान्त्रिकव्यवसायवर्गेषु प्रशंसा-मात्रप्रियम्

उभय "इन्द्रस्य वरुणस्य कुबेरस्य च" इति वरुणस्य मन्त्रः।  
कुबेरस्य वरुणस्य इन्द्रस्य च मन्त्रः।  
इन्द्रस्य वरुणस्य कुबेरस्य च मन्त्रः।

2

अधोलिखित म म किम्पे एक पत्रे का उन्म लिखित

10 अंक

क। कादम्बरी के आधार पर शकुन्तला का परिचय प्रस्तुत  
कीजिए।

ख। शिवगर्जविजय क प्रथम विराम प्रथम निःश्वस की  
कथावस्तु संक्षेप में बताइए।

### खण्ड ब

3. क

निम्नलिखित शब्दरूपा म म किन्ही या रूपा को सिद्ध प्रक्रिया  
लिखिए।

10 अंक

रमा हरिः सुभ्य गमान् अस्मान् गमाय।

ख

अधोलिखित धातुओं म म किम्पे एक धातु क लट् अथवा  
लृट् लकार के रूप लिखिए।

10 अंक

धृ. क. गम्. पट्.

4. क

निम्नलिखित वाक्यों म म किन्ही पाँच का संस्कृत म अनुवाद  
कीजिए।

10 अंक

(i) पलायका करन म पुण्य मिलता है।

(ii) धर्म की हमेशा विजय हाव है।

(iii) विद्यालय जाकर हम शिक्षा मिलती है।

(iv) मेरा नाम वर्षा है।

(v) मैं पढ़ने के लिए क्यों न जाऊँ?

(vi) दशरथ क चार पुत्र थे।

(vii) अहंकार विनाश का कारण होता है।

(viii) हम निर्धन की सेवा करनी चाहिए।

(ix) फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं।

(x) शीघ्रता करो, हमें देर हो रही है।

(ख)

निम्नलिखित वाक्यों म म किन्ही पाँच का हिन्दी म अनुवाद  
कीजिए।

05 अंक

(i) गंगा हिमालयात् निर्गच्छति।

(ii) एते जनाः कुत्र गच्छन्ति।

(iii) मम भ्राता विश्वविद्यालयं स्नातककक्षायां पठति।

(iv) कृष्णस्य उपदेशेन अर्जुनस्य मोहः नष्टः।

(v) पितरौ गुरुजनाश्च सम्माननीयाः।

(vi) सिंहः शिशुरपि निपतति गजेभ्यु।

(vii) उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः।

(viii) योऽन्नं ददाति स स्वर्गं याति।

(ix) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

(x) चादृशो भावना यस्य मित्रिर्भवति तादृशी।